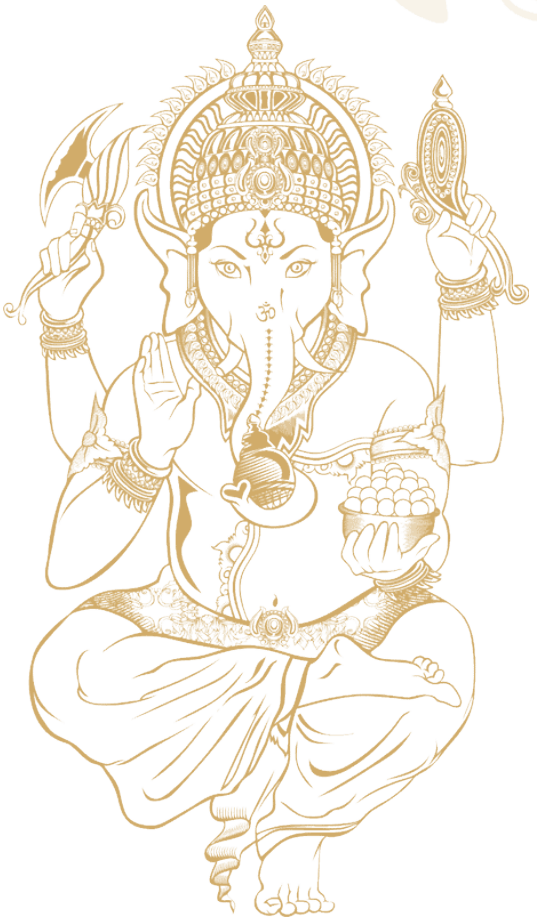

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120535403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/06/1996	जन्म तिथि	12-13/06/1997
शनिवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 14:58:00	जन्म समय	01:13:00 घंटे
घटी 23:59:47	जन्म समय(घटी)	49:37:29 घटी
India	देश	India
Pehowa	स्थान	Karnal
29:57:00 उत्तर	अक्षांश	29:41:00 उत्तर
76:39:00 पूर्व	रेखांश	76:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:24	स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:22:05	सूर्योदय	05:21:18
19:22:34	सूर्यास्त	19:22:34
23:48:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:15

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 12वर्ष 2मा 3दि		28:30:54	कन्या	लग्न	मीन	11:49:18	शुक्र 4वर्ष 1मा 22दि	
शनि		24:03:10	वृष	सूर्य	वृष	28:02:28	राहु	
12/08/2008		23:11:09	कुंभ	चंद्र	सिंह	23:54:12	04/08/2024	
13/08/2027		03:09:51	वृष	मंगल	कन्या	03:26:50	05/08/2042	
शनि	16/08/2011	00:44:45	वृष	बुध	वृष	13:12:22	राहु	17/04/2027
बुध	25/04/2014	22:02:09	धनु व	गुरु व	मक	28:06:26	गुरु	10/09/2029
केतु	04/06/2015	27:39:50	वृष व	शुक्र	मिथु	16:44:34	शनि	17/07/2032
शुक्र	03/08/2018	12:14:42	मीन	शनि	मीन	24:30:19	बुध	03/02/2035
सूर्य	16/07/2019	21:16:05	कन्या व	राहु व	कन्या	00:35:58	केतु	22/02/2036
चन्द्र	13/02/2021	21:16:05	मीन व	केतु व	मीन	00:35:58	शुक्र	22/02/2039
मंगल	25/03/2022	10:24:18	मक व	हर्ष व	मक	14:28:59	सूर्य	16/01/2040
राहु	29/01/2025	03:32:22	मक व	नेप व	मक	05:41:39	चन्द्र	17/07/2041
गुरु	13/08/2027	07:28:40	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	09:54:56	मंगल	05/08/2042

लग्न-चलित

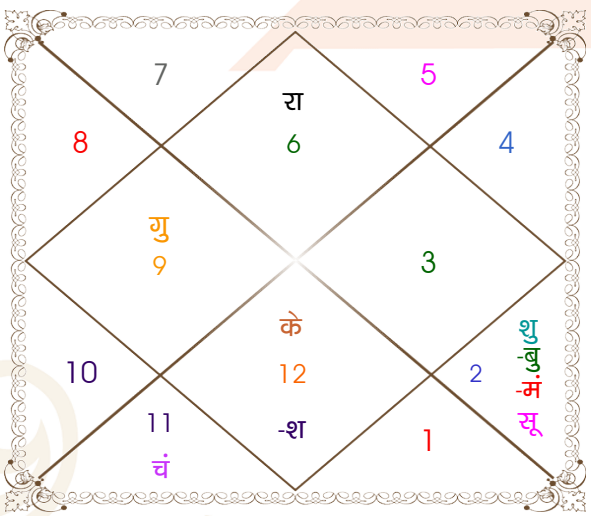

लग्न-चलित

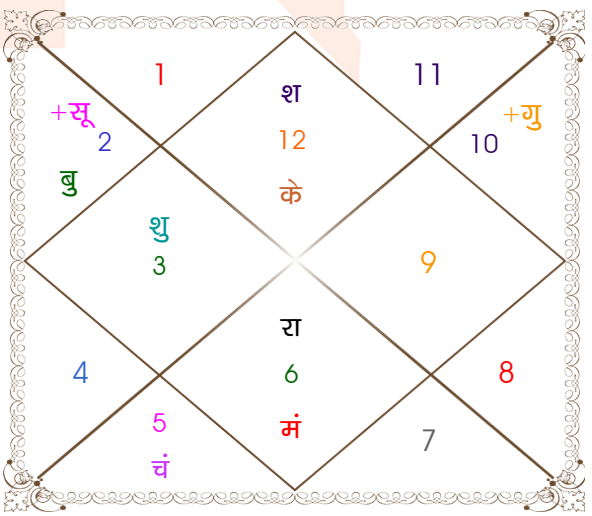

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।